CBSE 10 A LESSON 3साना साना हाथ जोडि

CUE WORDS

1. लेखिका मधु कांकरिया का यात्रा वृतांत(Travelogue) है ; साना साना हाथ जोडि
2. इस पाठ में लेखिका ने सिक्किम की राजधानी गंतोक तथा उसके आगे हिमालय की यात्रा का वर्णन किया है |
3. एक प्रार्थना लेखिका के होठों को छूने लगी जो उसने एक नेपाली लडकी से सीखी थी – साना साना हाथ जोडि ...... छोटे छोटे हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रही हूँ कि मेरा सारा जीवन अच्छाइयों को समर्पित हो |
4. होटल की बालकनी से कंचनजंगा देखने के लिए बाहर आई | आसमान बादलों से भरा था | रंग बिरंगे फूल दिखाई पड़े कि उसे लगा मानों वह फूलों के बाग़ में आ गयी हो |
5. ड्राइवर और गाइड जितेन साथ था |
6. रास्ते में मंत्र लिखी हुई सफ़ेद पताकाएँ मिलीं | जब भी किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु होती है, उसी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी भी पवित्र स्थान पर एक सौ आठ श्वेत पताकाएं फहरा दी जाती है | इन्हें उतारा नहीं जाता | ये धीरी धीरे अपने आप नष्ट हो जाती है | कोई नया काम शुरू करना हो तो रंगीन पताकाएँ फहराई जाती है |
7. गाड़ी ऊँचाई पर चढ़ने लगी | हिमालय अपने विराट रूप में सामने आ रहा था | रास्ते जलेबी की तरह घुमाव लेने लगे | सारे परिदृश्य को अपने भीतर भर लेने की इच्छा से लेखिका खिड़की से सिर निकालकर कभी आसमान छूते पर्वत शिखरों को देखती तो कभी दूध की धारा की तरह गिरते प्रपातों को और कभी गुलाबी पत्थरों के बीच इठलाकर बहती तीस्ता नदी को |

8. हिमालय का रूप पल पल बदल रहा था |
9. लेखिका थोड़ी दूर निकल गयी तो उसकी दृष्टि पहाडी औरतों पर पडी, जो पत्थर तोड़ रही थी | पता चला ये औरतें सड़क को चौड़ा करने के लिए श्रमरत थी |
10. ढलते सूरज की रोशनी चाय के बागानों पर पड़ रही थी | कई युवतियाँ बोक (सिक्किम परिधान Sikkim Dress) पहने चाय की पत्तियाँ तोड़ रही थी |
11. रात को लेखिका लायुंग में ठहरी | तीस्ता नदी के किनारे एक लकड़ी के घर में ठहरे थे |
12. लायुंग समुद तल से 14000 फीट की ऊँचाई पर है | 500 फीट के ऊपर "कटाओ" में बर्फ मिल सकती है | कटाओ भारत का स्विज़ेर्लैंड है |
13. लेखिका फोटो खिंचवाने की अपेक्षा उस परिदृश्य को अपने भीतर खींच रही थी | उसे लगा कि इसी विभोर कर देने वाली दिव्यता के बीच ही हमारे ऋषियों ने वेदों की रचना किया होगा |
14. थोडा और आगे जाने पर फौजी छावनियाँ दिखायी पड़ी | चीन की सीमा थोड़ी ही दूर है |
15. यूमथांग की घाटी में ढेरों ढेर फूल खिल रहे थे | जितेन ने बताया कि कुछ ही दिनों में घाटी फूलों से इतनी भर जाएगी कि मानो फूलों की सेज बिछी हो |

****

Brainbox learn easy